www.reportjunction.com

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2005-2006

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
(भारत सरकार का उपक्रम)

BANK OF MAHARASHTRA
(A Govt. of India Undertaking)

Website : www.bankofmaharashtra.in

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकमंडल BOARD OF DIRECTORS

श्री एम.डी. मल्या
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(25.03.2006 से)
Shri M.D. Mallya
Chairman & Managing Director
(w.e.f. 25.03.2006)

श्री राजीव मधोक
कार्यपालक निदेशक
(01.05.2006 से)
Shri Rajiv Madhok
Executive Director
(w.e.f. 01.05.2006)

श्री तरुण बजाज
सरकार द्वारा नामित निदेशक
(19.04.2006 से)
Shri Tarun Bajaj
Govt. Nominee Director
(w.e.f. 19.04.2006)

श्री एच.आर. खान
भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नामित निदेशक
Shri H.R. Khan
RBI Nominee Director

श्री पी.एन.देशपांडे
अधिकारी कर्मचारी निदेशक
Shri P.N. Deshpande
Officer Employee Director

श्री डी.आर.तुळजापुरकर
कर्मकार कर्मचारी निदेशक
Shri D.R. Tuljapurkar
Workman Employee Director

श्री ए.के. पंडित
निदेशक
Shri A.K.Pandit
Director

श्री एस.सी. भार्गव
निदेशक
(भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रतिनिधि)
Shri S.C. Bhargava
Director
(Representing L.I.C. of India)

श्री ए.एल. पाटील
निदेशक
Shri A.L. Patil
Director

श्री ए.ए. अजीजी
निदेशक
(15.09.2005 से)
Shri A.A. Azizi
Director
(w.e.f. 15.09.2005)

श्री एस.सी. बसु
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(24.03.2006 तक)
Shri S.C. Basu
Chairman & Managing Director
(Upto 24.03.2006)

श्री ए.वी. दुगाड़े
कार्यपालक निदेशक
(29.04.2006 तक)
Shri A.V. Dugade
(Upto 29.04.2006)

सुश्री पी. बोलिना
सरकार द्वारा नामित निदेशक
(20.07.2005 से 18.04.2006 तक)
Ms. P. Bolina
Govt. Nominee Director
(From 20.07.2005 to 18.04.2006)

श्री एस.सी. गर्ग
सरकार द्वारा नामित निदेशक
(19.07.2005 तक)
Shri S.C. Garg
Govt. Nominee Director
(Upto 19.07.2005)

श्री के.एस. ओबेरॉय
निदेशक
(09.05.2005 तक)
Shri K.S. Oberoi
Director
(Upto 09.05.2005)

श्रीमती एल.एफ. पूनावाला
निदेशक
(31.07.2005 तक)
Smt. L.F. Poonawalla
Director
(Upto 31.07.2005)

ReportJunction.com

संवैधानिक लेखा परीक्षक STATUTORY AUDITORS

जोध जोशी एण्ड कं.
नागपुर
Jodh Joshi & Co.
Nagpur
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants

एम. मित्तल एण्ड अग्रवाल
नई दिल्ली
M. Mittal & Aggarwal
New Delhi
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants

जगदीशचंद एण्ड कं.
नई दिल्ली
Jagdishchand & Co.
New Delhi
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants

एस. घोष एण्ड कं.
कोलकाता
S. Ghosh & Co.
Kolkata
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants

एस.के. मेहता एण्ड कं.
नई दिल्ली
S.K. Mehta & Co.
New Delhi
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
शेयर विभाग, केन्द्रीय कार्यालय
'लोकमंगल' 1501, शिवाजीनगर, पुणे 411 005
फोन : 020- 25511360 फैक्स: 020 - 25513122
टोल फ्री 18002334525

BANK OF MAHARASHTRA
Shares Department, Head Office
"Lokmangal", 1501, Shivajinagar, Pune 411005
Phone : 020-25511360 Fax : 020-25513122
Toll Free 18002334525
ई-मेल / E-mail : compsec@mahabank.co.in

रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट
मेसर्स एमसीएस लि.
यूनिट : बैंक ऑफ महाराष्ट्र
'हार्मनी', प्लॉट नं. 6, सेक्टर नं. 1, खंडा कालोनी
न्यू पनवेल (पश्चिम), नई मुंबई 410 206
फोन : 022-27492003-10 फैक्स : 022-27492005

Registrar and Transfer Agent
M/s. MCS Ltd.
Unit : Bank of Maharashtra
`Harmony', Plot No. 6, Sector 1, Khanda Colony,
New Panvel (W), New Mumbai - 410 206
Phone : 022-27492003-10 Fax : 022-27492005

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

महाप्रबंधक GENERAL MANAGERS

श्री के. पार्थसारथी
Shri K. Parthasarathy

श्री एम. पी. काळे
Shri M. P. Kale

श्री एस. आर. जोशी
Shri S. R. Joshi

श्री आर. डी. वेलणकर
Shri R.D. Velankar

श्री वि.वि. करंदीकर
Shri V.V. Karandikar

श्री ए. एस. बनर्जी
Shri A. S. Banerjee

श्री बी.के. पिपरैया
Shri B. K. Piparaiya

श्री एम. ए. सरदेसाई
Shri M.A. Sardesai

श्रीमती एस.ए. पानसे
Smt. S.A. Panse

श्री जे. के. शेठ
(30-9-2005 तक)
Shri J. K. Sheth
(Upto 30-9-2005)

श्री एस. मोहंती
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri S. Mohanty
Chief Vigilance Officer

क्र. / No.	विषय सूची	CONTENTS	पृष्ठ क्र. / Page No.
1.	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य	Chairman & Managing Director's Statement	2
2.	सूचना	Notice	4
3.	निदेशकों की रिपोर्ट	Directors' Report	6
	प्रबंध चर्चा और विश्लेषण	Management Discussion and Analysis	6
	बैंक का कार्य निष्पादन	Performance of the Bank	9
	संगठन और समर्थन सेवाएं	Organisation and Support Services	12
	सामाजिक बैंकिंग	Social Banking	19
	बैंक की महत्त्वपूर्ण योजनाएं / परियोजनाएं	Important schemes / projects of the Bank	21
	सहायक कंपनियां, संयुक्त उद्यम	Subsidiaries, Joint Ventures and	
	और प्रायोजित संस्थान	Sponsored Institutions	23
	राजभाषा का कार्यान्वयन	Official Language Implementation	24
	निदेशक मंडल में परिवर्तन	Changes in Board of Directors	24
4.	कॉपोरेट गवर्नन्स पर टिप्पणी	Note on Corporate Governance	26
5.	तुलनपत्र	Balance Sheet	40
6.	लाभ हानि खाता	Profit & Loss Account	41
7.	महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	Significant Accounting Policies	49
8.	लेखो पर टिप्पणियाँ	Notes on Accounts	53
9.	नकदी प्रवाह विवरण	Cash Flow Statement	64
10.	लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	Auditors' Report	66
11.	बैंक के समेकित वित्तीय विवरण	Consolidated Financial Statement of the Bank	68
12.	इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा सुविधा	Electronic Clearing Service (ECS Form)	91
13.	प्रॉक्सी फार्म	Proxy Form	93
14.	उपस्थिति पर्ची	Attendance Slip	95

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

प्रिय शेयरधारको,

मै. 31.03.2006 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों के साथ वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहा हूँ.

सबसे पहले मैं, आप सबका अभिवादन करता हूँ और आपके सतत संरक्षण तथा समर्थन के प्रति आभार मानता हूँ.जैसा कि आप पायेगें कि कार्यकारी परिणाम विशेषकर लाभ व लाभांश अपेक्षा के अनुरूप नहीं हैं.बैंक को निवेश पर रू.185 करोड़ का मूल्यह्रास प्रवाधान करना पड़ा,जिसके परिणामस्वरूप गत वर्ष हुए निवल लाभ रू 177.12 करोड़ की तुलना में वर्ष 2005.06 में निवल लाभ रू.50.79 करोड़ का हुआ.परिणामस्वरूप निदेशक मण्डल ने 4% का लाभांश घोषित किया.

वर्ष के दौरान जमा लागत कम करने के लिए बैंक ने उच्च लागत वाली रू. 5600 करोड़ की मीयादी जमाराशियों को अस्वीकार करने का विवकेपूर्ण निर्णय लिया.परिणामस्वरूप कुल जमाराशियों का स्तर गत वर्ष की रू. 28,844 करोड़ की तुलना में घटकर दिनांक 31.03.2006 को रू. 26,906 करोड़ का हो गया.किन्तु कम लागत वाली जमाराशियों यथा चालू व बचत जमा में 21% की उच्चतर वृध्दि हुई.वर्ष के दौरान बैंक ने 6.24लाख नए चालू व बचत खाते खोले.समग्र जमाराशियों में कम लागत वाली जमाराशियों का हिस्सा 31.03.2005 को 33.19% था, जो 31.03.2006 को बढ़कर 43.34% हो गया.निवेश में कम विगोपन के द्वारा अग्रिमों में वृध्दि 26% से अधिक थी. इन उपयों के प्रभाव चालू वर्ष व अगामी समय में अनुभव किए जाएगें.

31.03.2006 को समाप्त वर्ष के दौरान कार्य निष्पादन की प्रमुख बातें निम्नलिखित रहीं:

1. नौ शाखाएं व एक उप शाखा खोली गईं ,परिणास्वरूप कुल शाखाएं की संख्या 1300 व उप-शाखाओं की संख्या 32 हो गई.
2. कुल कारोबार बढ़कर रू.43,376 करोड़ का हो गया.प्रति कर्मचारी करोबार रू.3.06 करोड़ का था.
3. बाजार जोखिम पर पूंजी भार पर विचार करने के बाद पूंजी पर्याप्तता अनुपात 11.27% था.
4. सकल अग्रिमो से सकल अनर्जक अग्रिमों का अनुपात 7.00% से घटकर 5.53% का हो गया.
5. निवल अग्रिमो से निवल अनर्जक अग्रिमों का अनुपात 2.15% से घटकर 2.03% का हो गया.
6. कोर बैंकिंग समाधान को अन्तिम रूप दिया गया और मार्च 2007 तक 100 शाखाओं में लागू कर दिया जायेगा.
7. 145 एटीएम चालू किए गए और सितंबर 2006 तक 200 अतिरिक्त एटीएम चालू करने हेतु कदम उठा लिए गए.
8. सामाजिक बैंकिंग के अन्तर्गत सभी उधारी कार्यक्रमों में सक्रिय सहभाग लिया.कृषि को ऋण प्रवाह में गत वर्ष पर 32% वृध्दि हुई.

CHAIRMAN AND MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

Dear Shareholders,

I am presenting the Annual Report of the Bank together with audited financial statements for the year ended 31.03.2006.

At the outset, I convey my greetings to you all and solicit your continued patronage and support. As you will observe, the working results were short of expectations particularly in respect of profits and dividend. The Bank had to provide depreciation of Rs. 185 crore on investments which resulted into lower net profit of Rs.50.79 crore for the year 2005-06 as against Rs. 177.12 crore for the previous year. Consequently, the Board has declared a lower dividend of 4% for the year 2005-06.

During the year, the Bank had taken a conscious decision to shed high cost term deposits of Rs. 5600 crore to reduce cost of funds. As a result, the level of total deposits declined to Rs. 26,906 crore as on 31.03.2006 as against Rs. 28,844 crore last year. However, there was higher growth of around 21% in low cost deposits i.e. current and savings. The Bank added 6.24 lakh accounts under current and savings deposits during the year. The share of low cost deposits in aggregate deposits increased from 33.19 % as on 31.3.2005 to 43.34% as on 31.3.2006. The growth in advances was over 26% by reducing exposure in investments. Impact of these measures will be felt in the current year and onwards.

Salient features of the Bank's performance during the year ended 31.3.2006 were as under:

1. Nine branches and an extension counter were opened taking total number of branches to 1300 and extension counters to 32
2. Total business increased to Rs. 43,376 crore. Per employee business was Rs. 3.06 crore
3. Capital adequacy ratio was 11.27% after considering capital charge on market risk
4. The ratio of gross non performing advances to gross advances declined from 7.00% to 5.53%
5. The ratio of net non performing advances to net advances reduced from 2.15% to 2.03%
6. Core banking solution was finalised and 100 branches shall be operationalised by March 2007.
7. Operationalised 145 ATMs and initiated steps to add 200 more ATMs by September 2006.
8. Actively participated in all lending programmes under social banking. Flow of credit to agricultural sector increased by 32% over previous year.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

9. 368 शाखाओं को रियल टाईम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) के अधीन लाया गया.

10. महाराष्ट्र राज्य के लिए राज्य स्तरीय बैंकर समिति के समन्वयक का कार्य व महाराष्ट्र के 6 जिलों में अग्रणी बैंक का दायित्व बैंक ने सक्रिय रूप से संभाला.

बाम्बे स्टाक एक्सचेंज लि. व भारतीय नेशनल स्टाक एक्सचेंज लि. में बैंक के शेयरों का सक्रिय करोबार हुआ .

शेयर धारकों का मूल्य बढ़ाने व चंहुमुखी वृध्दि, विशेषकर कोर गतिविधियों मे,हासिल करने के लिए बैंक ने अपनी रणनीतियों को सुधारा है और कार्य योजना तैयार की है.

आदर सहित,

आपका

(एम.डी मल्या)

9. Covered 368 branches under Real Time Gross Settlement Scheme (RTGS)

10. Effectively handled the work of Convener, State Level Bankers' Committee for Maharashtra and lead bank responsibility in all the six districts of Maharashtra.

Equity shares of the Bank are actively traded on Bombay Stock Exchange Ltd and National Stock Exchange of India Ltd.

The Bank has repositioned its strategies and has evolved action plans to achieve all round growth particularly in core activities and to enhance the shareholder value.

With warm regards,

Yours sincerely,

(M. D. Mallya)

Report Junction.com

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

लोकमंगल, 1501, शिवाजीनगर, पुणे 411 005

नोटिस

एतद द्वारा नोटिस दिया जाता है कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शेयरधारकों की तीसरी साधारण आम सभा सोमवार दिनांक 26 जून, 2006 को सुबह 10.00 बजे, यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह, कोथरुड, पुणे - 411 029 में निम्नलिखित कार्य संव्यवहार संपन्न करने हेतु होगी.

31 मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष के तुलनपत्र और उसी दिनांक के लाभ-हानि खाते, बैंक के लेखों और लेखा परीक्षा की अवधि के दौरान बैंक की गतिविधियों तथा कार्यनिष्पादन पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट पर चर्चा करना.

स्थान : पुणे
दिनांक : 4 मई, 2006

(एम.डी मल्या)
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

टिप्पणियां

1. **प्रॉक्सी की नियुक्ति**
बैठक में उपस्थित रहकर वोट डालने के पात्र शेयरधारकों को बैठक में भाग लेने और वोट डालने के लिए अपने स्थान पर प्रॉक्सी की नियुक्ति करने का अधिकार है. ऐसा प्रॉक्सी व्यक्ति बैंक का शेयरधारक होना आवश्यक नहीं है.
प्रॉक्सी फार्म में विनिर्दिष्ट स्थान पर प्रॉक्सी प्रभावित करने के लिए प्रॉक्सी फार्म साधारण वार्षिक आम सभा की दिनांक से चार दिन पूर्व अर्थात साधारण वार्षिक आम सभा के समाप्त होने के अंतिम घंटों से या बुधवार,दिनांक 21 जून, 2006 के लिए निर्धारित कार्य के घंटे समाप्त होने के पूर्व मिल जाना चाहिए.

2. **प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति**
कोई भी व्यक्ति बैंक के शेयरधारकों की किसी भी बैठक में तब तक भाग लेने के लिए पात्र नहीं हो सकता या वोट नहीं दे सकता जब तक कि उसे किसी कंपनी या निगम निकाय जो बैंक के शेयरधारक हो, के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करते हुए पारित संकल्प की प्रति, जो कि उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित और अधिप्रमाणित सत्यप्रति है जिसमें प्रतिनिधि की नियुक्ति का संकल्प पारित है, बैंक के प्रधान कार्यालय में बैठक की नियत तिथि से चार दिन पूर्व अर्थात **बुधवार 19 जून, 2006** को या उससे पहले कार्यालय समय की समाप्ति तक या उससे पूर्व जमा नहीं की जाती ।

3. **उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र**
शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है. शेयरधारकों / प्रॉक्सीधारकों/ प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र में दिए गए स्थान पर हस्ताक्षर कर यह पर्ची आम सभा के स्थान पर देने की कृपा करें. प्रॉक्सी / शेयरधारकों के प्राधिकृत प्रतिनिधि यथाप्रसंग उपस्थिति-सह-प्रवेशपत्र पर उल्लेख करें कि प्रॉक्सी या प्रतिनिधि.

4. **बहियों का बंद होना**
बैंक के शेयरधारकों का रजिस्टर तथा शेयर अंतरण रजिस्टर सोमवार, 19 जून, 2006 से सोमवार 26 जून, 2006 (दोनों दिन मिलाकर) तक वार्षिक आम सभा और लाभांश भुगतान की पात्रता का निर्धारण करने के लिए बंद रहेंगे.

5. **लाभांश का भुगतान**
निदेशक मंडल द्वारा घोषित लाभांश का भुगतान भौतिक रूप से शेयर धारण करने वाले उन शेयरधारकों को किया जाएगा, जिनके नाम दिनांक 26.06.2006 को शेयरधारकों के रजिस्टर में लिखे होंगे और डी-मेट प्रारूप में शेयर धारण करने वाले हितधारकों को डिपॉजिटरी द्वारा उपलब्ध की गई दिनांक 18 जून, 2006 की सूची के अनुसार लाभांश का भुगतान किया जाएगा और वार्षिक आम सभा की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर लाभांश वारंट डाक द्वारा भेज दिए जाएंगे.

6. **अंतरण**
अंतरण विलेख के साथ शेयर प्रमाणपत्र को अंतरण के लिए पैरा क्रमांक 8 में दिये गए पते पर रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट को भेजा जाए.

7. **लाभांश के लिए अधिदेश या इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा**
लाभांश के भुगतान के संबंध में बैंक इलेक्ट्रॉनिक और भौतिक प्रारूप में शेयर धारण करने वाले सभी शेयरधारकों को निम्नलिखित शहरों में इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा उपलब्ध करता है :

अहमदाबाद, बैंगलूर, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चैन्नै, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, कोलकता, मुंबई, पुणे, नागपुर और तिरुअनन्तपुरम.

इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक शेयरधारक इस रिपोर्ट के साथ संलग्न प्रारूप में बैंक को अपनी मैनडेट के साथ अपना प्राधिकार दे सकते हैं. वर्ष 2005-2006 के लिए लाभांश का भुगतान इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा के माध्यम से करने के अनुरोध एमसीएस लि. को भी नीचे अनुच्छेद 8 में दिए गए पते पर दिनांक 15.06.2006 से पूर्व प्रस्तुत किए जाने चाहिए.

इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में शेयर धारण करने वाले शेयरधारक कृपया नोट करें कि संबंधित डिपॉजिटरीज द्वारा उपलब्ध किए गए उनके बैंक खातों के विवरण इलेक्ट्रॉनिक क्लीअरिंग सेवा सुविधा के माध्यम से लाभांश देने / लाभांश वारंट भेजने हेतु उपयोग में लाए जाएंगे. अपने बैंक खातों के विवरण में परिवर्तन कराने के इच्छुक शेयरधारकों से अनुरोध हैं कि वे अपनी डिपॉजिटरी पार्टीसिपन्टस को बैंक खातों का पूर्ण विवरण देते हुए परिवर्तन करने का अनुरोध 15 जून, 2006 को या उससे पूर्व करें.

8. **पते में परिवर्तन**
शेयरधारकों से अनुरोध हैं कि वे अपने पते में परिवर्तन की सूचना, यदि कोई है, तो निम्नलिखित पते पर शेयर अंतरण एजेंट / रजिस्ट्रार को भेजें :
एमसीएस लिमिटेड,
(कक्ष : बैंक ऑफ महाराष्ट्र)
''हार्मनी'' प्लॉट नं. 6, सेक्टर - 1,
खंडा कॉलोनी, न्यू पनवेल (पश्चिम)
मुंबई - 410 206
फोन: (022) 27492003 - 10 फैक्स : (022) 27492005

9. शेयरधारक / प्रॉक्सीधारक / प्रतिनिधियों से अनुरोध हैं कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति वार्षिक आम सभा में अपने साथ लाएं.

10. बैंक के खातों के संबंध में अधिक जानकारी के इच्छुक शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे बैंक के केन्द्रीय कार्यालय में स्थित शेयर विभाग को इस आशय का लिखित अनुरोध इस प्रकार भेजें कि वह वार्षिक आम सभा की दिनांक से एक सप्ताह पूर्व उन्हें मिल जाएं ताकि बैंक सूचनाएं तैयार रख सकें. शेयरधारक नोट करें कि सूचनाएं / स्पष्टीकरण केवल वार्षिक आम सभा में ही उपलब्ध किए जाएंगे.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

BANK OF MAHARASHTRA

'Lokmangal', 1501, Shivajinagar, Pune: 411 005

NOTICE

NOTICE is hereby given that the Third Annual General Meeting of the Shareholders of Bank of Maharashtra will be held on Monday the 26th June 2006 at 10.00 a.m. at Yashawantrao Chavan Natya Griha, Kothrud Pune 411 029 to transact the following business:

To discuss the Balance Sheet as at 31st March 2006 and the Profit and Loss Account for the year ended on that date, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts.

Place: Pune
Date: 4th May 2006

(M. D. Mallya)
Chairman & Managing Director.

NOTES

1. APPOINTMENT OF PROXY

A SHAREHOLDER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF / HERSELF AND SUCH PROXY NEED NOT BE A SHAREHOLDER OF THE BANK. The Proxy form, in order to be effective, must be received at the place specified in the Proxy form not less than four days before the date of the Annual General Meeting i.e. before the closure hours of Wednesday, the 21st June 2006.

2. APPOINTMENT OF AUTHORISED REPRESENTATIVE

No person shall be entitled to attend to vote at the Annual General Meeting as a duly authorised representative of any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him / her as a duly authorised representative , certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank not less than four days before the date of the Annual General Meeting i.e. on or before the closure hours of Wednesday, the 21st June 2006.

3. ATTENDANCE SLIP CUM ENTRY PASS

For the convenience of the shareholders, Attendance slip-cum-Entry pass is annexed to this Report. Shareholders / Proxy holders / Authorised representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the Attendance slip-cum-entry pass at the venue. Proxy / Representative of a shareholder should state on Attendance slip – cum – Entry pass " Proxy" or " Representative" as the case may be.

4. BOOK CLOSURE

The Register of Shareholders and Share Transfer Register of the Bank will remain closed from Monday, the 19th June 2006 to Monday, the 26th June 2006 (both days inclusive) for the purpose of Annual General Meeting and for ascertaining the entitlement for payment of dividend.

5. PAYMENT OF DIVIDEND

Payment of dividend to shareholders as declared by the Board of Directors shall be paid to those shareholders whose names appear on the Register of Shareholders of the Bank as on 26th June 2006 and in respect of shareholders holding their shares in dematerialised form as per the list provided to the Bank by the Depositories as on 18th June 2006 and the dividend warrants shall be mailed within 30 days from the date of Annual General Meeting.

6. TRANSFERS

Share certificates along with transfer deeds should be forwarded to the Registrar and Transfer Agent at the address given in para No. 8 below for the transfer of shares of the Bank.

7. ELECTRONIC CLEARING SERVICE FACILITY (ECS)

With respect to payment of dividend, the Bank provides the facility of ECS to all shareholders of the Bank, having their bank accounts in any of the following cities:

Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneshwar, Chandigarh, Chennai, Delhi, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Kolkata, Mumbai, Pune, Nagpur and Thiruvananthapuram.

Shareholders holding their shares in physical form, who wish to avail ECS facility may authorise the Bank with their ECS mandate in the prescribed form annexed to this Report. The request for payment of dividend through ECS for the year 2005-06 should be lodged with Registrar & Transfer Agent of the Bank M/s. MCS Ltd at the address given in para No. 8 below on or before 15.6.2006.

Shareholders holding shares in electronic form may please note that their bank account details as furnished by the respective Depositories will be considered for sending dividend through ECS / dividend warrants. Shareholders who wish to change such bank account details are requested to inform their depository participants only about such change with complete details of Bank Account on or before 15th June 2006.

8. CHANGE OF ADDRESS

Shareholders holding shares in physical form are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrar and Share Transfer Agent of the Bank at the following address:

M/s. MCS Ltd (Unit: Bank of Maharashtra)

'Harmony' Plot No. 6, Sector No. 1,

Khanda Colony, New Panvel (West) Mumbai 410 206

Tel No. (022) 27492003 - 10 Fax No. (022) 27492005

9. Shareholders / Proxy holders / Representatives are requested to bring their copies of Annual Report to the Annual General Meeting.

10. Shareholders who wish to seek any information on the accounts are kindly requested to write to the Shares Department of the Bank at its Head Office, which should reach the Bank atleast one week before the date of the Annual General Meeting so as to enable the Bank to keep the information ready. Shareholders may note that information / clarification shall be provided only at the Annual General Meeting.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

''लोकमंगल'', 1501, शिवाजीनगर, पुणे 411 005

निदेशकों की रिपोर्ट 2005-2006

निदेशक मंडल 31 मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलन पत्र और लाभ तथा हानि खाते के साथ बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता है.

प्रबंध चर्चा और विश्लेषण

1. आर्थिक परिदृश्य

1.1 सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)

केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन के अग्रिम अनुमानों के अनुसार गत वर्ष के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में हुई 7.5% की वृध्दि की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2005-2006 में 8.1% की वृध्दि दर्ज की गई. सेवा और उद्योग क्षेत्र में सतत वृध्दि के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था का कार्यनिष्पादन सुदृढ़ रहा. अर्थव्यवस्था में बेहतर ऋण आपूर्ति के कारण भी वृध्दि को समर्थन मिला.

सकल घरेलू उत्पाद में वृध्दि मुख्यत:विनिर्माणी क्षेत्र पर विशिष्ट बल देने और औद्योगिक क्षेत्र में भारी मात्रा में वसूली होने के कारण हुई. उद्योगों में गत वर्ष की 8.4% की वृध्दि की तुलना में इस वर्ष 7.8% वृध्दि हुई. विनिर्माणी क्षेत्र ने बिजली, गैस और जल आपूर्ति क्षेत्र में प्रभावात्मक वृध्दि के साथ 9.4% की वृध्दि का सर्वाधिक योगदान दिया. पिछले वर्ष की 8.6% की तुलना में इस वर्ष सेवा क्षेत्र में 9.8% की उच्चतर वृध्दि हुई. विनिर्माणी क्षेत्र ने भी सेवा क्षेत्र की वृध्दि को मुख्यत: उद्योग क्षेत्र में आई तेजी के कारण समर्थन दिया. इस वर्ष कृषि क्षेत्र पुनरूज्जीवित हुआ और पिछले वर्ष की 0.7% की वृध्दि की तुलना में इस वर्ष 2.3% की वृध्दि हुई.

निगमित और सार्वजनिक क्षेत्र में उच्चतर बचत दर्ज होने के कारण, घरेलू क्षेत्र की बचतों में 1.5% की कमी आने के बावजूद भी 2003-2004 में वर्तमान बाजार मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में सकल घरेलू बचत में 28.9% की वृध्दि की तुलना में वर्ष 2004-2005 में 29.1% की वृध्दि हुई. इसी प्रकार वर्ष 2004-2005 में निवेश दर में 2.9% की वृध्दि दर्ज हुई और यह सकल घरेलू उत्पाद के 30.1% तक पहुंच गया.

1.2 मुद्रा स्फीति

औसत थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति दर गत वर्ष की 6.4% की तुलना में वर्ष 2005-2006 के दौरान 4.5% के स्तर पर कम रही. 1 अप्रैल, 2006 को वर्ष दर वर्ष आधार पर थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति 3.5 प्रतिशत थी. वर्ष 2005-2006 के दौरान मुद्रास्फीति परिणाम मुख्यत: पेट्रोलियम उत्पाद के मूल्यों में हुए उतार-चढ़ाव से प्रभावित रहे, जिसने केवल मुद्रास्फीति में लगभग 40.8% तक का योगदान दिया.

अगस्त 2005 में तेल के मूल्यों में 70.8 यूएस डॉलर प्रति बैरल की रिकार्ड वृध्दि व अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्यों की गतिशीलता के साथ कई अर्थव्यवस्थाओं में वर्ष 2005 के उत्तरार्ध में मुद्रास्फीति बढ़ी.

यद्यपि 2005-2006 के दौरान ईंधन के मूल्यों ने घरेलू मुद्रास्फीति को प्रमुखता से प्रभावित किया, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्यों में हुई वृध्दि के मुकाबले घरेलू पेट्रोलियम उत्पाद के मूल्य अभी भी कम हैं. ईंधन के मूल्यों के अलावा वर्ष 2005-2006 के दौरान बुनियादी खाद्य सामग्री के मूल्यों में वृध्दि के कारण भी मुद्रास्फीति पर दबाव बना. गत वर्ष में घरेलू खरीफ फसल में कमी और दक्षिणी-पश्चिमी मानसून की असंतोषजनक प्रगति के कारण आगामी फसलों के खराब होने की चिंता से वर्ष 2005-2006 की पहली छमाही में मूल्यों में वृध्दि हुई.

1.3 राजकोषीय घाटा

रु.1,51,144 करोड़ (सकल घरेलू उत्पाद का 4.3%) के बजट अनुमानों की तुलना में बजट में उल्लेखित संशोधित अनुमानों के अनुसार वर्ष 2005-2006 के लिए केन्द्र सरकार का राजकोषीय घाटा रु.1,46,175 करोड़ (सकल घरेलू उत्पाद का 4.1%) अनुमानित किया गया था. गैर-कर राजस्व में भी कमी आई जबकि कर राजस्व भी लगभग बजट अनुमानों के समान ही रहा.

BANK OF MAHARASHTRA

'Lokmangal', 1501, Shivajinagar, Pune: 411 005

DIRECTORS' REPORT 2005-06

The Board of Directors have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank together with the Audited Balance Sheet and Profit and Loss Account for the year ended 31st March 2006.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

1. ECONOMIC ENVIRONMENT

1.1 Gross Domestic Product (GDP)

The GDP registered a growth of 8.1 percent in 2005-06 as per the advance estimates of CSO, as against 7.5 percent during the previous year. The strong performance of Indian Economy was led by sustained growth in the industry and the services sectors. The growth story was also well supported by the phenomenal credit supply in the economy.

The GDP growth was attributed to recovery in the industrial sector with special emphasis on the manufacturing sector. The industry grew at 7.8 percent as against 8.4 percent in the previous year. The manufacturing sector contributed the most with a growth of 9.4 percent coupled by an impressive growth in the electricity, gas and water supply sectors. The services sector achieved higher growth of 9.8 percent compared to 8.6 percent in the previous year. The construction industry also supported the growth of the services sector mainly on account of acceleration in industry. The agriculture sector saw a revival in the year, which grew at the rate of 2.3 percent in comparison to the earlier figure of 0.7 percent.

Gross Domestic Saving (GDS), as percent of GDP at current market prices, increased to 29.1 percent in 2004-05 from 28.9 percent in 2003-04 despite a fall of 1.5 percent in the savings of household sector, owing to higher savings registered by corporate and public sectors. Similarly, the investment rate increased by 2.9 percent to reach 30.1 percent of GDP in 2004-05.

1.2 Inflation

The average WPI inflation rate eased to 4.5 percent during 2005-06 from 6.4 percent a year ago. WPI inflation year on year was 3.5 percent as on April 1, 2006. Mainly the price movements of petroleum products, which alone contributed about 40.8 percent to the inflation, influenced the inflation outcome during 2005-06.

The inflation also firmed up in the second half of 2005 in a number of economies in tandem with the movements in international crude oil prices, with oil prices reaching a record high of US $ 70.8 a barrel in August 2005.

Although fuel prices were the key driver of domestic inflation during 2005-06, domestic petroleum products prices still lagged the increase in international crude oil prices. Apart from fuel prices, prices of primary food articles posed some upward pressures on inflation during 2005-06. The prices had hardened during the first half of 2005-06, reflecting last year's shortfall in domestic kharif production and worries about a poor ensuing crop due to the unsatisfactory progress of the South-West monsoon.

1.3 Fiscal Deficit

As per the revised estimates mentioned in the Budget, the fiscal deficit of the Central Government for 2005-06 was estimated at Rs.1,46,175 crore (4.1 percent of GDP) compared to the budget estimate of Rs.1,51,144 crore (4.3 percent of GDP). There was decline in non-tax revenue whereas the tax revenue remained almost at the same level as in the budget estimates.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वर्ष के दौरान केन्द्र सरकार ने भारतीय रिज़र्व बैंक के पास नकदी आधिक्य रखना जारी रखा और यह गत वर्ष के रु.26,202 करोड़ की तुलना में 31 मार्च, 2006 को रु. 48,928 करोड़ का था.

2. मौद्रिक और बैंकिंग गतिविधियां

2.1 मुद्रा आपूर्ति

वर्ष 2005-06 के दौरान अंक दर अंक आधार पर मुद्रा आपूर्ति (एम3) में वृध्दि गत वर्ष की 13.9 प्रतिशत की तुलना में 16.2 प्रतिशत की रही. घटकों में से अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की समग्र जमाराशियां, पिछले वर्ष के 14.1 प्रतिशत की तुलना में 16.1 प्रतिशत के स्तर पर उच्चतर रही. इसी प्रकार चलन में आम जनता के पास करेन्सी की मात्रा में वृध्दि हुई और यह 12.7% से बढ़ कर 16.8% हो गई.

वर्ष 2005-2006 के दौरान मौद्रिक और तरलता की स्थिति सुविधाजनक बनी रही. यद्यपि वर्ष 2005-2006 के अंतिम चार माह के दौरान तरलता की स्थिति कड़ी हुई, जो अंशतः इंडिया मिलेनियम जमा के शोधन के प्रभाव को प्रतिबिंबित करती है. अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने बाजार स्थिरकरण योजना और केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों को निजी क्षेत्र में लगाने के साथ तरलता समायोजन सुविधा के अंतर्गत रेपो परिचालनों के माध्यम से तरलता को अर्थव्यवस्था में डाला. परिणामस्वरूप बैंकिंग तंत्र वाणिज्यिक क्षेत्र की ऋण मांग को सतत आधार पर पूरा कर सका.

वाणिज्यिक ऋण की बढ़ती हुई मांग को दृष्टि में रखते हुए, बैंकों ने अपने वृध्दिशील निवेशों को सरकारी प्रतिभूतियों तक ही सीमित रखा. वाणिज्यिक बैंकों के गिल्ट संविभाग में पिछले वर्ष के दौरान रु.42,473 करोड़ की वृध्दि (परिवर्तन प्रभाव से निवल) के एकदम विपरीत 31 मार्च, 2006 को गत वर्ष के मुकाबले रु.15,562 करोड़ की कमी दर्ज हुई.

2.2 निधियों का प्रवाह

वर्ष के दौरान वाणिज्यिक क्षेत्र को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से निधियों का कुल प्रवाह उच्चतर रहा. उच्चतर उगाही परिचालनों के कारण इस वर्ष खाद्यान्न ऋणों में भी वृध्दि हुई.

परिवर्तन को घटाने के बाद गत वर्ष की 0.9% (रु.6776 करोड़) की वृध्दि की तुलना में सरकार को निवल बैंक ऋण, 3.8 प्रतिशत (रु.28819 करोड़) की दर से बढ़ा.

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से वाणिज्यिक क्षेत्र को निधियों के कुल प्रवाह में वृध्दि, गैर संवैधानिक तरलता अनुपात निवेशों सहित, पिछले वर्ष हुई 30.2% (रु.2,79,326 करोड़) वृध्दि की तुलना में 31.03.2006 को 27.4% (रु.3,30,866 करोड़) थी.

26 अक्तूबर, 2005 से रिवर्स रेपो दर में 25 आधार अंकों की वृध्दि कर इसे 5.25% कर दिया गया. वृहत आर्थिक और समग्र मौद्रिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए इसे 24.01.2006 से 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया गया. तरलता समायोजन सुविधा के अंतर्गत स्थिर रेपो दर को रिवर्स रेपो दर के ऊपर 100 आधार अंकों पर स्थिर रखा गया.

3. बैंकिंग प्रवृत्तियां

3.1 ब्याज दरें

वर्ष के उत्तरार्ध में ब्याज दरों में वृध्दि हुई. ऋण विस्तार में असाधारण वृध्दि के कारण, जहां वृध्दिशील ऋण जमा अनुपात 100 प्रतिशत की सीमा को भी पार कर गया, बैंकों ने ऋण आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए जमाराशियों की ब्याज दरों में वृध्दि कर दी.

सरकारी क्षेत्र के बैंकों की 1 वर्ष से अधिक की परिपक्वता अवधि के लिए मीयादी जमाराशियों की ब्याज दरें अप्रैल, 2005 में 5.25-6.50 प्रतिशत थीं, जो मार्च, 2006 में बढ़कर 5.75-7.25 प्रतिशत हो गईं. इसी अवधि के दौरान सरकारी क्षेत्र के बैंकों और विदेशी बैंकों की न्यूनतम प्रमुख उधार दर (बीपीएलआर) क्रमशः 10.25-11.25 प्रतिशत और 10.00-14.50 प्रतिशत की रेंज में अपरिवर्तित रहीं. इसी अवधि के दौरान निजी क्षेत्र के बैंकों की प्रमुख उधार दर 11.00-13.50 से बढ़कर 11.00-14.00 प्रतिशत तक हो गई. प्रमुख

The Central Government continued to maintain surplus cash balances with the Reserve Bank during the year and the same was at Rs. 48,928 crore as on March 31, 2006 as compared to Rs.26, 202 crore a year ago.

2. MONETARY AND BANKING DEVELOPMENTS

2.1 Money Supply

The growth in money supply (M_3) on a point-to-point basis was at 16.2 percent during 2005-06 compared to 13.9 percent a year ago. Among the components, the growth in aggregate deposits of the scheduled commercial banks (SCBs) at 16.1 percent was higher than that of 14.1 percent in the previous year. Similarly, there was an increase in the currency with the public, which increased from 12.7 percent to 16.8 percent.

Monetary and liquidity conditions remained largely comfortable during 2005-06 although there was some tightness in liquidity conditions during the last four months of 2005-06 reflecting partly the impact of the redemption of India Millennium Deposits (IMDs). The Reserve Bank, therefore, injected liquidity through unwinding of the Market Stabilisation Scheme (MSS) and repo operations under the liquidity adjustment facility (LAF) along with some private placement of the Central Government securities. As a result, the banking system was able to meet the sustained pick-up in credit demand from the commercial sector.

In view of the rising demand for commercial credit, banks restricted their incremental investments in Government paper. The gilt portfolio of commercial banks registered a decline of Rs.15, 562 crore as on March 31, 2006 over the previous year in contrast to an increase of Rs.42,473 crore (net of the conversion effect) during the previous year.

2.2 Flow of Funds

The total flow of funds from SCBs to the commercial sector moved up during the year. The food credit also increased due to higher procurement operations.

The net bank credit to the Government increased by 3.8 percent (Rs.28819 crore) as against 0.9 percent (Rs. 6776 crore), net of conversion a year ago.

The increase in total flow of funds from SCBs to the commercial sector, including non-SLR investments, was 27.4 percent (Rs.3, 30,866 crore) as on 31.03.2006 as against 30.2 percent (Rs. 2,79,326 crore) a year ago.

The Reverse repo rate was increased by 25 basis points to 5.25 percent effective from October 26, 2005. In view of the macroeconomic and overall monetary conditions, it was further increased from 5.25 percent to 5.50 percent with effect from 24.01.2006. The fixed repo rate under LAF was kept at 100 basis points over the reverse repo rate.

3. BANKING TRENDS

3.1 Interest rates

The year witnessed rise of interest rates in the later part. Due to the phenomenal growth in credit expansion where incremental credit deposit (CD) ratio crossed the 100 percent mark the banks increased the interest rates on deposits to fuel the credit supply.

The interest rates of public sector banks (PSBs) on deposits of over one year maturity moved up from 5.25-6.50 percent in April 2005 to 5.75-7.25 percent in March 2006. During the same period, the benchmark prime lending rates (BPLRs) of PSBs and foreign banks remained unchanged in the range of 10.25-11.25 percent and 10.00-14.50 percent, respectively. The BPLRs of private sector banks moved to a range of 11.00-14.00 percent from 11.00-13.50 percent in the same period. The

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सरकारी क्षेत्र के बैंकों के संबंध में मीयादी ऋणों के लिए औसत उधार दर (जिस पर अधिकांश कारोबार की संविदा हुई है) दिसंबर, 2005 की 8.00-12.50 प्रतिशत की तुलना में मार्च, 2006 में 8.50-12.50 प्रतिशत रही.

3.2 जमाराशियां

मार्च 2006 के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार को सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की समग्र जमाराशियां रु.3,79,060 करोड़ से बढ़ कर रु. 20,87,670 करोड़ हो गईं. मार्च 2005 के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार को दर्ज 13.76 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2005-06 के दौरान 22.19% की वृध्दि दर्ज हुई.

3.3 बैंक ऋण

31 मार्च 2006 को बैंक ऋण रु.14,96,474 करोड़ के थे, जो वर्ष के दौरान हुई रु.4,04,466 करोड़ की वृध्दि को दर्शाते हैं. ऋण जमा अनुपात 71.68 प्रतिशत का रहा. वर्ष के उत्तरार्ध में ऋण विस्तार अत्यधिक रहा.

जहां तक ऋण का संबंध है, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने गत वर्ष की 30.9 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 36.00 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज की. वर्ष 2001-02 से व्यक्तियों की बढ़ी हुई अतिरिक्त खर्च योग्य आय के कारण फुटकर ऋण में 22-41 प्रतिशत के बीच विस्तार हुआ और वर्ष 2005-2006 में खाद्येतर वृध्दिशील ऋणों में 26.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. मार्च, 2002 में व्यक्तियों को दिए गए अग्रिमों का हिस्सा कुल बैंक ऋण का लगभग 10 प्रतिशत था, जो जनवरी, 2006 में बढ़कर लगभग 25 प्रतिशत तक पहुंच गया. यह उल्लेखनीय है कि वाणिज्यिक रिअल इस्टेट के ऋणों में 2005-2006 में 84.4 प्रतिशत की वृध्दि हुई, जो वृध्दिशील खाद्येतर ऋणों का 4.4 प्रतिशत हिस्सा थी. आवास ऋणों में 29.1 प्रतिशत की वृध्दि हुई, जो वृध्दिशील खाद्येतर ऋणों का 14.6 प्रतिशत हिस्सा है. जबकि समग्र रूप से उद्योगों को ऋण के प्रवाह में वर्ष 2005-2006 के दौरान गत वर्ष की 11.3 प्रतिशत की वृध्दि की तुलना में 15.6 प्रतिशत की मामूली वृध्दि परिलक्षित हुई. बुनियादी सुविधा उद्योग, विशेषकर ऊर्जा में गत वर्ष हुई 32.9 प्रतिशत की उच्चतर वृध्दि के मुकाबले 28.8 प्रतिशत की वृध्दि हुई. खाद्य अभिसंस्करण, लोहा और स्टील, सूती कपड़ा, वाहन, रसायन, जेम्स एण्ड ज्वेलरी तथा निर्माण जैसे उद्योगों को ऋण प्रवाह में भारी वृध्दि हुई. गत वर्ष की तदनुरूपी अवधि में 18.9 प्रतिशत की वृध्दि की तुलना में इस वर्ष कृषि ऋणों में 22.4 प्रतिशत की वृध्दि हुई.

3.3.1 खाद्य ऋण

खाद्य ऋण में गत वर्ष की तुलना में 31.03.2006 को रु.1,771 करोड़ की वृध्दि दर्ज हुई और बकाया खाद्य ऋण रु.41,787 करोड़ के रहे.

3.3.2 खाद्येतर ऋण

एक वर्ष पूर्व के रु.10,59,308 करोड़ की तुलना में 31.03.2006 को खाद्येतर ऋण रु. 14,54,687 करोड़ के रहे. पिछले वर्ष के 27.5 प्रतिशत की तुलना में 2005-06 के दौरान 37.3 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज की गई.

3.4 निवेश

बांडों / डिबेंचरों / शेयरों तथा वाणिज्यिक पत्रों इत्यादि में निवेश के रूप में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को अप्रत्यक्ष ऋणों में 13 प्रतिशत (रु.12,238 करोड़) की कमी आई, जबकि गत वर्ष में इस प्रकार के ऋणों में 5.3 प्रतिशत (रु.4,775 करोड़) की वृध्दि हुई थी.

सांविधिक तरलता अनुपात निवेशों में कमी के कारण उच्चतर ऋण मांग को काफी अधिक सीमा तक पूरा किया गया. बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद से पहली बार सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का निवेश वर्ष के दौरान कम हुआ. अतः केन्द्र और राज्य सरकार के बाजार से उधार लेने का प्रमुख समर्थन गैर-बैंकों से आया. वाणिज्यिक बैंकों का सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में धारण निवल मांग और मीयादी देयताओं के 25 प्रतिशत की न्यूनतम आवश्यकता से अधिक रहा. किन्तु ऐसा धारण मार्च, 2005 में बैंकिंग प्रणाली की निवल मांग और मीयादी देयताओं के 38.2 प्रतिशत से घटकर मार्च, 2006 में 31.9 प्रतिशत हो गया. यद्यपि मार्च, 2006 में अधिक संवैधानिक तरलता अनुपात धारण रु.1,56,504 करोड़ था, फिर भी विभिन्न बैंक अपना

median lending rates for term loans (at which maximum business was contracted) in respect of major PSBs stood at 8.50-12.50 percent in March 2006 as against 8.00-12.50 percent in December 2005.

3.2 Deposits

Aggregate deposits of SCBs increased by Rs.3, 79,060 crore during 2005-06 and stood at Rs.20, 87,670 crore, as on the last reporting Friday of March 2006. The growth rate was 22.19 percent during 2005-06 as compared with 13.76 percent recorded during the previous year.

3.3 Bank Credit

As on 31.03.2006, bank credit stood at Rs. 14,96,474 crore, reflecting a rise of Rs.4,04,466 crore during the year. The CD ratio stood at 71.68 percent. The credit expansion was vigorous during the later part of the year.

As regards credit, the SCBs registered a growth of 36 percent as against 30.9 percent a year ago. Retail credit, powered by the increased individual disposable incomes, expanded at rates ranging between 22-41 percent since 2001-02 and accounted for 26.7 percent of the incremental non-food credit in 2005-06. The share of advances to 'individuals' increased from about 10 percent of total bank credit in March 2002 to nearly 25 percent in January 2006. It is noteworthy that loans to commercial real estate rose by 84.4 percent in 2005-06, constituting 4.4 percent of incremental non-food credit. Housing loans increased by 29.1 percent and accounted for 14.6 percent of incremental non-food credit. While the flow of credit to industry as a whole showed a modest increase of 15.6 percent in 2005-06 from 11.3 percent a year ago, bank credit to the infrastructure industries, especially power, grew by 28.8 percent on top of 32.9 percent a year ago. There was substantial increase in credit flow to industries like food processing, iron and steel, cotton textiles, vehicles, chemicals, gems and jewellery and construction. Agricultural credit increased by 22.4 percent as compared with 18.9 percent in the corresponding period of the previous year.

3.3.1 Food Credit

Food Credit recorded a rise of Rs.1,771 crore as on 31.03.2006 over the previous year and reached the outstanding level of Rs. 41,787 crore.

3.3.2 Non-food Credit

As on 31.03.2006, non-food credit stood at Rs. 14,54,687 crore as against Rs. 10,59,308 crore a year ago. The growth rate was 37.3 percent during 2005-06 as against 27.5 percent during the previous year.

3.4 Investments

Indirect credit by SCBs to the commercial sector in the form of banks' investments in bonds, debentures, shares and commercial papers (CP) declined by 13.0 percent (Rs.12,238 crore) as compared with an increase of 5.3 percent (Rs.4,775 crore) in the previous year.

The decline in statutory liquidity ratio (SLR) investments accommodated the higher credit demand to a large extent. For the first time since the nationalization of banks, investment by SCBs in Government and other approved securities declined during the year. Thus, major support to the market-borrowing programme of Central and State Governments came from non-banks. Commercial banks' holdings of Government and other approved securities remained in excess of the statutory minimum requirement of 25.0 percent of net demand and time liabilities (NDTL). Such holdings, however, declined from 38.2 percent of the banking system's NDTL in March 2005 to 31.9 percent in March 2006. While the excess SLR holdings amounted to Rs.1,56,504 crore in March 2006,

www.reportjunction.com